मुख्य परीक्षा

इलेक्ट्रॉनिक नेशनल एग्रीकल्चर मार्केट (ई-नाम) क्या है? इसकी कार्य प्रणाली व मंडियों पर इसके प्रभाव के संदर्भ में आलोचनात्मक मूल्यांकन प्रस्तुत करें।

(200 शब्द)

मॉडल उत्तर

दृष्टिकोण:
- इलेक्ट्रानिक नेशनल एग्रीकल्चर मार्केट (ई-नाम) क्या है? बताएं
- पैरा चेंज करते हुए ई-नाम के कार्य प्रणाली एवं मंडियों पर इसके प्रभाव की चर्चा करें।
- अंत में आलोचनात्मक टिप्पणी करते हुए संतुलित निष्कर्ष दें।

उत्तर- ई-नाम एक ऐसी विपणन प्रणाली है, जिसे डिजिटल इण्डिया कार्यक्रम के तहत भारत में कृषि विपणन प्रणाली के डिजिटलीकरण हेतु शुरू किया गया है। यह APMC के अंतर्गत एक भाग है। इसमें किसान स्वयं को पंजीकृत करके मंडियों में अपना उत्पादन बेच सकते हैं।

कार्यप्रणाली :-

- ई-नाम में अभी तक 13 राज्यों की मंडियाँ शामिल हैं।
- ई-नाम के द्वारा विपणन करने के लिए किसानों को मंडी में माल लाने के बाद दो विकल्प प्राप्त होगे या तो वे माल को पूर्व की तरह ही मंडी में बेंचे या फिर ई-नाम के जरिए अपने माल को इलेक्ट्रॉनिक रूप में बेंचे।
- इसके लिए किसानों को ई-नाम पर रजिस्टर होकर अपने ई-नाम एकाउण्ट से विपणन करना होता है।
- इसके माध्यम से मंडी के व्यापारी, उपभोक्ता व निर्यातक सभी जुड़ सकते हैं। तथा एक-दूसरे से सीधे संपर्क कर सकते हैं।

प्रभाव :

- ई-नाम की शुरूआत से कृषि विपणन प्रणाली आसान हुई है।
- इससे पारदर्शिता बढ़ी है व किसानों को अब उचित जानकारी मिलने लगी है।
- अब मंडियाँ क्षेत्रीय स्तर के बजाए राष्ट्रीय स्तर पर एकीकृत प्रणाली से जुड़ रही है।
- ई-नाम के तहत अगर व्यापार का स्तर भविष्य में बढ़ता है तो इससे मंडियों के राजस्व में वृद्धि होगी।

परन्तु भारत की जनसंख्या का एक बड़ा भाग डिजिटल साक्षरता से परिचित नहीं है, अतः सही मायनों में किसानों को लाभ नहीं मिल पाता है।